राजनीतिक दल

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» राजनीतिक दल का अर्थ

प्रश्न 1 (आसान). राजनीतिक दल का मुख्य उद्देश्य क्या होता है?
उत्तर – चुनाव लड़ना और सरकार में राजनीतिक सत्ता हासिल करना।

प्रश्न 2 (आसान). क्या किसी राजनीतिक दल में केवल नेता ही होते हैं?
उत्तर – नहीं, नेता के अलावा सक्रिय सदस्य और समर्थक भी होते हैं।

प्रश्न 3 (मध्यम). एक राजनीतिक दल और एक स्कूल की छात्र परिषद (student council) में मुख्य अंतर क्या है?
उत्तर – राजनीतिक दल का लक्ष्य देश या राज्य में सरकार बनाना होता है, जबकि छात्र परिषद का लक्ष्य स्कूल के मुद्दों को हल करना और छात्रों का प्रतिनिधित्व करना होता है। राजनीतिक दल चुनाव लड़कर राजनीतिक सत्ता चाहते हैं, छात्र परिषद नहीं।

प्रश्न 4 (कठिन). अगर किसी देश में राजनीतिक दल न हों, तो वहाँ की सरकार कैसे काम कर पाएगी?
उत्तर – अगर राजनीतिक दल न हों, तो सरकार बनाना बहुत मुश्किल होगा क्योंकि कोई भी समूह एक साझा कार्यक्रम या नीतियों पर एक साथ काम नहीं करेगा। चुनाव में उम्मीदवार निर्दलीय होंगे और वे केवल अपने क्षेत्र के लिए जवाबदेह होंगे, पूरे देश के लिए नहीं।

» राजनीतिक दलों की ज़रूरत क्यों?

प्रश्न 5 (आसान). लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की एक मुख्य जरूरत क्या है?
उत्तर – चुनावी वादे और स्पष्ट विकल्प देना

प्रश्न 6 (आसान). बिना राजनीतिक दलों के जवाबदेही कैसे प्रभावित होगी?
उत्तर – Leaders जवाबदेह नहीं होंगे क्योंकि कोई organized opposition नहीं होगी

प्रश्न 7 (मध्यम). किताब के अनुसार, दुनिया भर के लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक दल क्यों सर्वव्यापी हो गए हैं?
उत्तर – क्योंकि वे चुनाव लड़ने, नीतियाँ बनाने, सरकार चलाने और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए जरूरी हैं

प्रश्न 8 (कठिन). अगर राजनीतिक दल न हों तो लोकतंत्र में तीन प्रमुख समस्याएँ क्या होंगी? विस्तार से समझाइए।
उत्तर – 1. चुनावी वादे नहीं बनेंगे 2. नीतिगत दिशा नहीं मिलेगी 3. Leaders जवाबदेह नहीं होंगे

» राजनीतिक दल के कार्य

प्रश्न 9 (आसान). राजनीतिक दलों का सबसे पहला और मुख्य कार्य क्या है?
उत्तर – चुनाव लड़ना (Contest elections).

प्रश्न 10 (आसान). कौन-से दल सरकार बनाते और चलाते हैं?
उत्तर – जिस दल को चुनावों में बहुमत मिलता है, वह सरकार बनाता और चलाता है।

प्रश्न 11 (मध्यम). राजनीतिक दल जनमत निर्माण में कैसे योगदान देते हैं?
उत्तर – वे अलग-अलग मुद्दों को उठाते हैं, उन पर बहस करते हैं और अपने कार्यकर्ताओं और मित्र संगठनों के जरिए लोगों की राय को प्रभावित करते हैं।

प्रश्न 12 (कठिन). आम नागरिक को सरकारी योजनाओं तक पहुँच बनाने में राजनीतिक दल किस प्रकार सहायता करते हैं?
उत्तर – राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता आम नागरिकों और सरकारी मशीनरी के बीच एक पुल का काम करते हैं। वे लोगों की समस्याओं को अधिकारियों तक पहुँचाते हैं और उन्हें सरकारी कल्याणकारी कार्यक्रमों का लाभ दिलवाने में मदद करते हैं।

» राजनीतिक दल की ज़रूरत

प्रश्न 13 (आसान). बिना राजनीतिक दलों के चुनाव में क्या समस्या आएगी?
उत्तर – कोई बड़े नीतिगत बदलाव के बारे में चुनावी वायदे नहीं कर पाएगा

प्रश्न 14 (आसान). राजनीतिक दल लोकतंत्र की क्या हैं?
उत्तर – अनिवार्य शर्त (essential condition)

प्रश्न 15 (मध्यम). पंचायत चुनाव का उदाहरण देकर बताइए कि दल क्यों जरूरी हैं?
उत्तर – बिना दल के भी गाँव खेमों में बंट जाता है और panel बनाता है – दल बड़े स्तर पर यही संगठित तरीके से करते हैं

प्रश्न 16 (कठिन). यदि भारत में सभी सांसद निर्दलीय हों तो सरकार कैसे चलेगी? तीन कारण देकर समझाइए कि दल क्यों अनिवार्य हैं।
उत्तर – 1. नीतियों पर collective decision नहीं हो पाएगा 2. Opposition का अंकुश नहीं रहेगा 3. देश स्तर पर जवाबदेही तय नहीं होगी – इसलिए दल लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त हैं

» कितने राजनीतिक दल?

प्रश्न 17 (आसान). एकदलीय व्यवस्था का एक उदाहरण दो।
उत्तर – चीन (Communist Party)

प्रश्न 18 (आसान). द्विदलीय व्यवस्था वाले दो देशों के नाम बताओ।
उत्तर – अमेरिका और ब्रिटेन

प्रश्न 19 (मध्यम). बहुदलीय व्यवस्था में गठबंधन क्यों बनाए जाते हैं?
उत्तर – क्योंकि अकेले किसी दल को बहुमत नहीं मिल पाता, इसलिए कई दल मिलकर सरकार बनाते हैं।

प्रश्न 20 (कठिन). क्या multi-party system हमेशा instability लाती है? भारत के उदाहरण से समझाओ।
उत्तर – नहीं, instability के साथ-साथ यह विभिन्न हितों को representation भी देती है। भारत में coalition governments ने कई साल तक स्थिरता बनाए रखी है।

» राजनीतिक दलों में जन-भागीदारी

प्रश्न 21 (आसान). भारत में राजनीतिक दलों की सदस्यता बड़ी है या छोटी?
उत्तर – बहुत बड़ी है (करोड़ों में)

प्रश्न 22 (आसान). अधिकांश समर्थक कब सक्रिय होते हैं?
उत्तर – चुनाव के समय

प्रश्न 23 (मध्यम). अगर किसी दल के 2 करोड़ सदस्य हैं और केवल 10% सक्रिय हैं तो सक्रिय सदस्य कितने होंगे? यह क्या दर्शाता है?
उत्तर – 20 लाख सक्रिय सदस्य। यह दर्शाता है कि majority passive हैं, जन-भागीदारी कम है।

प्रश्न 24 (कठिन). क्यों राजनीतिक दलों में active participation कम होने से लोकतंत्र कमजोर होता है? भारत के आँकड़ों के आधार पर समझाइए।
उत्तर – क्योंकि फैसले सिर्फ कुछ नेताओं के हाथ में रह जाते हैं, आम सदस्यों की आवाज नहीं पहुँचती। भारत में membership करोड़ों में है पर active participation बहुत कम है, इससे दल oligarchic बन सकते हैं।

» राष्ट्रीय दल

प्रश्न 25 (आसान). राष्ट्रीय दल की मान्यता के लिए कितने प्रतिशत वोट चाहिए?
उत्तर – 6 प्रतिशत

प्रश्न 26 (आसान). 2023 में कितने राष्ट्रीय दल थे?
उत्तर – छह

प्रश्न 27 (मध्यम). BSP का मुख्य आधार किस राज्य में है और इसने कितनी बार UP में सरकार बनाई?
उत्तर – उत्तर प्रदेश में मुख्य आधार, चार बार सरकार बनाई

प्रश्न 28 (कठिन). INC और BJP दोनों राष्ट्रीय दल हैं। 2019 लोकसभा चुनाव में इनके वोट प्रतिशत और सीटों की तुलना करके बताओ कौन ज्यादा मजबूत था।
उत्तर – BJP ने 303 सीटें जीतीं जबकि INC को 52 सीटें और 19.5% वोट मिले – BJP ज्यादा मजबूत थी।

» क्षेत्रीय दल

प्रश्न 29 (आसान). क्षेत्रीय दल को Election Commission क्या कहकर मान्यता देता है?
उत्तर – Regional Party

प्रश्न 30 (आसान). क्षेत्रीय दल मुख्य रूप से कितने राज्यों में सक्रिय होते हैं?
उत्तर – एक या दो राज्यों में

प्रश्न 31 (मध्यम). क्षेत्रीय दलों की बढ़ती भूमिका से संघवाद कैसे मजबूत होता है? दो लाइन में लिखिए।
उत्तर – ये local issues को national level पर उठाते हैं। Coalition governments में ये centre को state की जरूरतें मानने को मजबूर करते हैं।

प्रश्न 32 (कठिन). यदि क्षेत्रीय दल न होते तो भारत की राजनीति में क्या कमी आ जाती? अपने शब्दों में समझाइए।
उत्तर – देश की विविधता – भाषा, संस्कृति, क्षेत्रीय समस्याएँ – का प्रतिनिधित्व कम हो जाता। Federal structure कमजोर पड़ता क्योंकि states की आवाज दब जाती।

» राजनीतिक दलों के लिए चुनौतियाँ

प्रश्न 33 (आसान). राजनीतिक दलों की पहली चुनौती क्या है?
उत्तर – आंतरिक लोकतंत्र की कमी

प्रश्न 34 (आसान). विकल्पहीनता का क्या मतलब है?
उत्तर – दलों के बीच नीतियों और कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण अंतर का न होना

प्रश्न 35 (मध्यम). वंशवाद क्यों लोकतंत्र के लिए हानिकारक है?
उत्तर – इससे अनुभवहीन और बिना जनाधार वाले लोग ताकत के पदों पर पहुँच जाते हैं

प्रश्न 36 (कठिन). धन-बल का प्रभाव राजनीतिक दलों पर कैसे पड़ता है? विस्तार से समझाइए।
उत्तर – पार्टियाँ पैसेवाले उम्मीदवारों को टिकट देती हैं, अमीर लोग और कंपनियाँ नीतियों को प्रभावित करती हैं, अपराधियों को समर्थन मिलता है जिससे लोकतंत्र कमज़ोर होता है

» दलों को कैसे सुधारा जा सकता है?

प्रश्न 37 (आसान). दल-बदल रोकने के लिए क्या कानून बनाया गया?
उत्तर – संविधान संशोधन – दल बदलने पर सीट जाती है

प्रश्न 38 (आसान). महिलाओं के लिए क्या सुझाव दिया गया है?
उत्तर – लगभग एक तिहाई टिकट आरक्षण

प्रश्न 39 (मध्यम). चुनाव खर्च सरकार उठाए, इसका क्या फायदा हो सकता है?
उत्तर – धनबल का प्रभाव कम होगा, अमीरों का दबदबा घटेगा

प्रश्न 40 (कठिन). सिर्फ कानूनी सुधार क्यों पर्याप्त नहीं हैं? दो कारण बताओ।
उत्तर – 1. दल कानून को दरकिनार करने का रास्ता ढूंढ लेंगे। 2. दल खुद ऐसे कानून पास नहीं करेंगे जो उन्हें पसंद न हों।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. राजनीतिक दल के तीन प्रमुख हिस्सों के नाम बताओ।

› पहला हिस्सा होता है जो दल का मार्गदर्शन करता है और निर्णय लेता है, जिसे 'नेता' कहते हैं।

› दूसरा हिस्सा वे लोग होते हैं जो पार्टी के लिए जमीनी स्तर पर काम करते हैं, ये 'सक्रिय सदस्य' कहलाते हैं।

› तीसरा हिस्सा वे लोग होते हैं जो पार्टी की विचारधारा का समर्थन करते हैं और उसे वोट देते हैं, इन्हें 'अनुयायी या समर्थक' कहते हैं।

उत्तर – राजनीतिक दल के तीन प्रमुख हिस्से हैं: 1. नेता, 2. सक्रिय सदस्य, 3. अनुयायी या समर्थक।

उदाहरण 2. कल्पना कीजिए कि भारत में कोई राजनीतिक दल नहीं है। चुनाव कैसे होंगे? सरकार कैसे बनेगी और नीतियाँ कैसे बनेंगी? तीन मुख्य समस्याएँ बताइए।

› Step 1: बिना parties के candidates को organize करने वाला कोई नहीं होगा, चुनावी वादे और manifesto नहीं बनेंगे।

› Step 2: नीतगित दशिा का अभाव होगा क्योंकि कोई organized group सामूहकि हति तय नहीं कर पाएगा।

› Step 3: जवाबदेही नहीं होगी, leaders को voters के सामने जवाब नहीं देना पड़ेगा क्योंकि कोई party नहीं होगी जो performance पर सवाल उठाए।

उत्तर – तीन मुख्य समस्याएँ: 1. चुनावी वादे और विकल्पों का अभाव 2. नीतिगत दिशा का अभाव 3. सरकार की जवाबदेही का अभाव

उदाहरण 3. राजनीतिक दल 'विपक्ष की भूमिका' कैसे निभाते हैं? उदाहरण सहित समझाएँ।

› पहला चरण: विपक्ष की भूमिका का अर्थ समझना। जब कोई दल चुनाव हार जाता है और सरकार नहीं बना पाता, तो वह 'opposition party' कहलाता है।

› दूसरा चरण: विपक्ष के कार्यों की पहचान करना। विपक्ष का मुख्य कार्य सरकार की नीतियों और फैसलों पर नज़र रखना और उनकी 'criticism' करना है, अगर वे देशहित में न हों।

› तीसरा चरण: उदाहरण देना। जैसे, मान लीजिए 'ruling party' ने कोई ऐसा 'law' बनाया जो किसानों के लिए अच्छा नहीं है। तो 'opposition party' उस 'law' का विरोध करेगी, किसानों के मुद्दे को उठाएगी, 'protests' कर सकती है और जनता को 'mobilize' कर सकती है ताकि सरकार उस 'law' को वापस ले या उसमें सुधार करे।

› चौथा चरण: महत्व समझाना। यह सरकार को 'accountable' बनाता है और उसे मनमानी करने से रोकता है। यह लोकतंत्र को मजबूत करता है।

उत्तर – विपक्ष की भूमिका में चुनाव हारी हुई पार्टियाँ सरकार की गलत नीतियों और असफलताओं की आलोचना करती हैं, अपनी अलग राय रखती हैं और जनता को सरकार के खिलाफ गोलबंद करती हैं। इससे सरकार पर सही फैसले लेने का दबाव बना रहता है।

उदाहरण 4. कल्पना कीजिए कि भारत में कोई राजनीतिक दल नहीं हैं। चुनाव में 543 लोकसभा सीटों पर 1000 निर्दलीय उम्मीदवार खड़े हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में सरकार कैसे बनेगी और देश कैसे चलेगा? 3 मुख्य समस्याएँ बताइए।

› Step 1: सभी उम्मीदवार निर्दलीय होने से कोई भी बड़े नीतिगत बदलाव जैसे स्वास्थ्य या शिक्षा पर चुनावी वायदे नहीं कर पाएगा क्योंकि उनके पास party manifesto नहीं होगा।

› Step 2: सरकार बनने के बाद elected representatives सिर्फ अपने constituency के छोटे कामों के लिए जवाबदेह होंगे, लेकिन पूरे देश की नीतियों के लिए कोई जवाबदेही तय नहीं होगी।

› Step 3: Opposition भी नहीं होगी जो government पर अंकुश रख सके, जिससे भ्रष्टाचार बढ़ सकता है और उपयोगिता संदिग्ध हो जाएगी।

उत्तर – समस्याएँ: 1. बड़े नीतिगत वायदे असंभव 2. सरकार की उपयोगिता संदिग्ध 3. कोई देश स्तर पर जवाबदेह नहीं – इसलिए दल लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त हैं।

उदाहरण 5. भारत में बहुदलीय व्यवस्था क्यों है? 2004 के चुनाव में कौन-कौन से प्रमुख गठबंधन थे? समझाइए।

› Step 1: भारत की विविधिता बहुत ज़्यादा है – भाषा, जाति, धर्म, क्षेत्र – इसलिए दो-तीन पार्टियाँ अकेले सबको represent नहीं कर सकतीं।

› Step 2: इसलिए multi-party system विकसित हुआ जहाँ कई दल चुनाव लड़ते हैं।

› Step 3: अकेले बहुमत न मिलने पर coalition बनाते हैं।

› Step 4: 2004 में तीन प्रमुख alliances थे – NDA (led by BJP), UPA (led by Congress) और Left Front।

उत्तर – भारत में multi-party system है क्योंकि समाज की विविधता को दो पार्टियाँ नहीं समेट सकतीं। 2004 के चुनाव में NDA, UPA और Left Front प्रमुख गठबंधन थे।

उदाहरण 6. भारत में BJP की सदस्यता लगभग 8 करोड़ है। अगर हम यह मानें कि केवल 5% सदस्य regularly party activities में भाग लेते हैं, तो सक्रिय सदस्यों की संख्या कितनी होगी? यह आँकड़ा दर्शाता है कि जन-भागीदारी कितनी कम है।

› Step 1: कुल सदस्यता = 8 करोड़ = 80,000,000

› Step 2: सक्रिय प्रतिशत = 5% = 0.05

› Step 3: सक्रिय सदस्य = 80,000,000 × 0.05 = 4,000,000

› Step 4: मतलब 7.6 करोड़ लोग passive हैं, सिर्फ चुनाव समय सक्रिय होते हैं

उत्तर – सक्रिय सदस्य 40 लाख। यह दिखाता है कि membership बड़ी होने के बावजूद active जन-भागीदारी बहुत कम है।

उदाहरण 7. एक पार्टी लोकसभा चुनाव में कुल वोट का 5.8% पाती है और 5 सीटें जीतती है। क्या इसे राष्ट्रीय दल की मान्यता मिल सकती है? दूसरे उदाहरण में, अगर वही पार्टी चार राज्यों की विधानसभा में 6.2% वोट और लोकसभा में 4 सीटें जीते तो क्या होगा?

› पहले मानदंड को चेक करें – 6% वोट चाहिए, 5.8% कम है, इसलिए अकेले लोकसभा वोट से नहीं बनेगी।

› दूसरा मानदंड देखें – चार राज्यों में 6% से ज्यादा वोट और कम से कम 4 लोकसभा सीटें।

› दूसरे उदाहरण में दोनों शर्तें पूरी होती हैं – 6.2% वोट चार राज्यों में और 4 सीटें, इसलिए राष्ट्रीय दल की मान्यता मिल जाएगी।

उत्तर – पहले मामले में नहीं, दूसरे मामले में हाँ, राष्ट्रीय दल की मान्यता मिलेगी।

उदाहरण 8. समाजवादी पार्टी और बीजू जनता दल को क्षेत्रीय दल क्यों माना जाता है जबकि इनका संगठन कई राज्यों में है? इनकी भूमिका संघवाद को कैसे मजबूत करती है, एक उदाहरण देकर समझाइए।

› पहले देखो Election Commission का नियम – national party बनने के लिए पूरे देश में 6% वोट और 4 सीटें चाहिए, ये दोनों दल इसको पूरा नहीं करते।

› समाजवादी पार्टी मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश में और बीजू जनता दल ओडिशा में मजबूत हैं, बाकी जगहों पर प्रभाव कम।

› ये दल स्थानीय मुद्दों जैसे किसान, रोजगार, भाषा को उठाते हैं जो राष्ट्रीय दलों को नजरअंदाज कर देते हैं।

› जब ये coalition में शामिल होते हैं तो centre को state की आवाज माननी पड़ती है – इससे federalism मजबूत

होता है।

उत्तर – इन्हें क्षेत्रीय दल माना जाता है क्योंकि इनकी मुख्य ताकत कुछ राज्यों तक सीमित है। ये संघवाद को मजबूत करते हैं क्योंकि ये स्थानीय विविधता को national politics में प्रतिनिधित्व देते हैं।

उदाहरण 9. एक राजनीतिक दल में आंतरिक लोकतंत्र की कमी कैसे लोकतंत्र को कमज़ोर करती है? तीन बिंदुओं में समझाइए।

› पहले देखो कि पार्टी में सदस्यों की खुली सूची नहीं होती, नियमित बैठकें नहीं होतीं और internal elections भी नहीं होते।

› इससे सामान्य कार्यकर्ता को जानकारी नहीं मिलती और वह फैसलों को प्रभावित नहीं कर पाता।

› नतीजा यह होता है कि कुछ नेताओं के इर्द-गिर्द सारी शक्ति केंद्रित हो जाती है, जो लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ है।

उत्तर – आंतरिक लोकतंत्र की कमी से दल तानाशाही जैसा व्यवहार करने लगते हैं, कार्यकर्ताओं की भागीदारी खत्म हो जाती है और योग्य लोग बाहर हो जाते हैं।

उदाहरण 10. राजनीतिक दलों में सुधार के लिए सुझाए गए तीन मुख्य उपाय बताइए और बताइए कि इनमें से एक उपाय के क्या नुकसान हो सकते हैं?

› पहला उपाय: दल-बदल कानून – इससे विधायक दल नहीं बदल सकते, सीट जाती है।

› दूसरा उपाय: उम्मीदवारों को संपत्ति और आपराधिक रिकॉर्ड का शपथपत्र भरना अनिवार्य।

› तीसरा उपाय: महिलाओं को एक तिहाई टिकट देना।

› नुकसान: दल-बदल कानून से पार्टी में विरोध की आवाज़ दब गई है, नेता जो कहे वही मानना पड़ता है।

उत्तर – मुख्य उपाय: दल-बदल कानून, संपत्ति-रिकॉर्ड खुलासा, महिलाओं के लिए टिकट आरक्षण। एक नुकसान: दल-बदल कानून से आंतरिक लोकतंत्र और कमजोर हुआ।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह परिभाषा बोर्ड परीक्षा में सीधे तौर पर पूछी जा सकती है, इसलिए इसे अच्छे से समझना और याद करना बहुत ज़रूरी है।

• Board exam में अक्सर पूछा जाता है – 'राजनीतकि दलों की जरूरत क्यों?' – तीन बदिु लखिना: promises, policy direction, accountability।

• यह प्रश्न बोर्ड परीक्षाओं में 'long answer type' प्रश्न के रूप में अक्सर पूछा जाता है। सभी सात कार्यों को उदाहरणों के साथ स्पष्ट करना ज़रूरी है।

• Board exam में अक्सर पूछा जाता है – 'दलों के बनिा लोकतंत्र क्यों नहीं चल सकता?' – कल्पना वाले उदाहरण के 3-4 points लखिकर 5 marks आसानी से पा सकते हो।

• Board exam में अक्सर पूछा जाता है – भारत में बहुदलीय व्यवस्था क्यों है और गठबंधन की भूमकि क्या है? उदाहरण सहित लिखना जरूरी है।

• Board exam में अक्सर पूछा जाता है – 'भारत में राजनीतकि दलों में जन-भागीदारी की स्थति क्या है?' – आँकड़े (Congress 1.5cr, BJP 8cr) और active vs passive का अंतर जरूर लखिना।

• Board exam में अक्सर पूछा जाता है – राष्ट्रीय दल की recognition के exact criteria और 6 राष्ट्रीय दलों के नाम तथा स्थापना वर्ष लिखो, अंक जरूर मिलेंगे।

• Board exam में अक्सर पूछा जाता है – 'क्षेत्रीय दलों की बढ़ती भूमकि ने भारतीय संघवाद को कैसे मजबूत कयि?' – 5 marks में coalition politics और local issues का उदाहरण जरूर लखिना।

• Board exam में इन चार चुनौतियों को कारण सहति लखिना, सरि्फ नाम लखि देने से नंबर कम हो जाते हैं।

• बोर्ड एग्जाम में अक्सर पूछा जाता है – 'राजनीतिक दलों को मजबूत बनाने के सुझाव दीजिए' – इन पांच उपायों को क्रम से लिखना, साथ में एक नुकसान भी जरूर जोड़ना।

एक नज़र में रिवीज़न

› राजनीतिक दल: चुनाव लड़ने व सरकार में सत्ता हेतु संगठित समूह, जिसमें नेता, सदस्य, समर्थक हों।
› Parties: चुनावी वादे, नीति दिशा, जवाबदेही
› दल चुनाव लड़ते, नीतियाँ बनाते, सरकार चलाते, विपक्ष और जनमत बनाते हैं।
› दल = लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त (बिना दल: निर्दलीय, कोई जवाबदेही नहीं)
› One-party (China), Two-party (USA/UK), Multi-party + Coalition (India)
› भारत: बड़ी membership, कम active participation
› राष्ट्रीय दल = 6% वोट (4 राज्यों में) + 4 LS seats
› Regional parties strengthen federalism & represent diversity
› 4 चुनौतियाँ: आंतरिक लोकतंत्र, वंशवाद, धन-बल, विकल्पहीनता
› दल सुधार: दल-बदल कानून, शपथपत्र, 1/3 महिला टिकट, सरकारी चुनाव खर्च